हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

12 अंतरराष्ट्रीय हॉफ मैराथन में 25 सौ धावकों ने लिया भाग



12 पिंकथॉन डे पर वर्षा ने पाया पहला स्थान



खबर संक्षेप

साइबर ठगी मामले में दो आरोपी पकड़े

झज्जर। साइबर थाना क्राइम की टीम ने ऑनलाइन ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा है। साइबर थाना क्राइम निरीक्षक दर्शन सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान कमलेश कुमार सालवी निवासी गांव कामला तथा दीपक सैन निवासी गांव पीपली, जिला राजसमंद, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है।

अधेड़ पर बच्ची से अनैतिक गतिविधि का आरोप

बहादुरगढ़। इलाके के एक गांव में बच्ची के साथ अनैतिक हरकत का मामला सामने आया है। आरोप पड़ोस में रहने वाले एक अधेड़ उम्र के शख्स पर है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। दोपहर तक इस संबंध में केस दर्ज की पुष्टि नहीं हुई थी। जानकारी के अनुसार, करीब 8 वर्षीय बच्ची पड़ोस के एक मकान में गाय को रोटी देने गई थी। इसी दौरान अधेड़ व्यक्ति ने उसे पास बुलाकर सेब दिया। फिर गलत हरकत की कोशिश की। बच्ची वहां से भागी और घर जाकर अपने परिजनों को मामले से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

एपीके फाइल भेज किया मोबाइल हैक

झज्जर। साइबर क्राइम थाना की टीम ने ऑनलाइन ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक दर्शन सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रिंस निवासी मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने धोखाधड़ी से प्राप्त राशि में से 96 हजार रुपये अपने दोस्त के बैंक खाते में डलवाए थे। इसके बदले उसने आठ हजार रुपये कमीशन के रूप में प्राप्त किए थे। पुलिस टीम द्वारा मामले में आरोपी की भूमिका, बैंक खातों और ठगी की रकम के लेन-देन से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

महापंचायत में जाएंगे किसान व कामगार

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की किसान-मजदूर-छात्र-युवा-महिला महापंचायत आज 26 अक्टूबर को रोहतक के दिल्ली रोड स्थित वंदनम बैंक्वेट हॉल में होगी। संगठन के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष कॉमरेड अनूप सिंह मातनहेल और सचिव जयकरण मांडौठी ने बताया कि महापंचायत को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संयुक्त किसान मोर्चा के नेता कॉमरेड सत्यवान, शहीद भगत सिंह की भांजी गुरजीत कौर, जेएनयू के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं अर्थशास्त्री अरुण कुमार, एआईयूटीयूसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की महासचिव इस्मत अरा खातून और एडवोकेट राजेंद्र सिंह सहित अन्य वक्ता संबोधित करेंगे। महापंचायत में किसानों, मजदूरों, छात्रों, युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और उनके समाधान के लिए आंदोलन की आगामी रूपरेखा तैयार की जाएगी।

सीटू की बैठक में आंदोलन की तैयारी, 42 हजार न्यूनतम वेतन सहित कई मांगें उठाईं

दिल्ली में तीन दिन प्रदर्शन करेंगे आशा आंगनवाड़ी व ग्रामीण सफाई कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार स्कीम वर्करों से नियमित कर्मचारियों जैसी जिम्मेदारियां ले रही है, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा और सुविधाएं नहीं मिल रहीं।



बहादुरगढ़। देवीलाल पार्क में एकत्र सीटू कार्यकर्ता।

अपनी मांगों को लेकर आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर-हेल्पर और ग्रामीण सफाई कर्मचारी 1 से 3 दिसंबर तक दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। आंदोलन की तैयारियों को लेकर सीटू की बहादुरगढ़ ब्लॉक इकाई की बैठक हुई। इसमें विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अधिक से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता आशा वर्कर यूनियन से रेखा जसोर खेड़ी, आंगनवाड़ी वर्कर-हेल्पर यूनियन से प्रकाशी और ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन से ब्रह्मपाल ने की। संचालन दुर्गा ने किया। आशा वर्कर यूनियन की प्रदेश महासचिव सुनीता, सीटू की जिला कन्वीनर किरण, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव संदीप, आशा वर्कर यूनियन की जिला सचिव प्रवेश, जिला कैशियर अनीता और सीटू जिला कमेटी सदस्य मुकेश ने भी बैठक को संबोधित किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार विभिन्न योजनाओं और सेवाओं में काम करने वाले कर्मचारियों से नियमित कर्मचारियों की तरह जिम्मेदारियां ले रही है। लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा और संबंधित सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्कीम वर्करों पर लगातार काम का दबाव बढ़ रहा है, जबकि उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है। बैठक में सभी को पक्का कर्मचारी घोषित करने, 42 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन देने, लेबर कोड रद्द करने, श्रम कानूनों में बदलाव रोकने, सेवानिवृत्ति के बाद 20 हजार रुपये मासिक पेंशन देने और बेगार प्रथा बंद करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि इन मांगों को लेकर कर्मचारी 1 से 3 दिसंबर तक दिल्ली जाकर प्रदर्शन करेंगे। बैठक में सुमन, अश्विना, सोनी, भारती, विजय, ललिता, सरोज और सरिता सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



झज्जर। डावला गांव में निकाली गई कलश शोभा यात्रा।

महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में निकाली कलश शोभायात्रा, भंडारा आज

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

क्षेत्र के गांव डावला में नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन रविवार को श्रद्धालुओं द्वारा कलश शोभायात्रा निकाली गई। महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के साथ निकाली गई इस शोभायात्रा में महिलाओं, युवाओं सहित सर्व समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजक समिति सदस्य सुरेश सारसर ने बताया कि मंदिर परिसर से शुरू हुई कलश शोभायात्रा गांव की मुख्य गलियों व चौक-चौराहों से होते हुए वापिस मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे दिन सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर हवा सिंह, केशू, समेर सिंह, शीशपाल, मुकेश कुमार, सुनील कुमार, दलबीर सिंह, बलजीत सिंह, संजय सारसर, राजेश, देवेंद्र, सुनील धनखड़, भोमराज दुबे सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती आज, सफाई कर्मचारियों को किया जाएगा सम्मानित

झज्जर। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों और सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। एडीसी एवं डीएमसी जगनिवास ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि के विचारों और उनके आदर्शों को याद करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और जनसेवा के संदेश को आगे बढ़ाया जाएगा।



प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी..भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

श्री राम मंदिर में भजन कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रवक्ता गीतांशु चावला ने बतौर मुख्यतिथि शिकरत की। मंदिर समिति के सदस्यों ने पटका और शाल पहनाकर कर उनका सम्मान किया। गीतांशु चावला ने मां भगवती की ज्योति प्रज्वलित कर सर्व मंगल की कामना की। भजन गायक जगदीश कटारिया, ललित गेरा, संजय गेरा, बिट्टू चुघ, सतीश कटारिया, सतीश सरदाना, हरीश बत्रा, श्याम गेरा, जय किशन सरदाना, राजेंद्र वधवा, पंकज तलवार सहित ओमप्रकाश सैनी ने मां भगवती व अन्य देवी देवताओं के भजनों से गुणगान किया।



माता के भजनों से भक्तिमय हुआ धार्मिक कार्यक्रम

संजय गेरा, ललित गेरा, बिट्टू चुघ ने गणेश वंदना, सरस्वती और सारे तीरथ धाम आपके चरणों में.. मधुरवाणी से माता के भजनों से कार्यक्रम की शुरुआत की। ओमप्रकाश सैनी, ललित गेरा ने मां मुरादे पूरी करदे हलवा बांटूगी.. जय किशन सरदाना ने तेरे दर पे आ गए मां तेरा नाम जपते जपते.. पंकज तलवार ने एक बार तो हाथ उठाओं मेरे हनुमान के लिए..प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी..आदि भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

जिला परिषद चुनाव की सरगर्मियां बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

आगामी जिला परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई हैं। चुनाव लड़ने के इच्छुक लोग अपने समर्थकों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रिंस जून ने अपने कार्यालय पर बैठक की। बैठक में वार्ड-4 के विकास, ग्रामीणों की समस्याओं और जनप्रतिनिधियों तथा जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रिंस जून ने कहा कि वार्ड के अंतर्गत आने वाले सभी 11 गांवों का दौरा कर बुजुर्गों, युवाओं और अन्य ग्रामीणों से बातचीत की जाएगी। इस दौरान लोगों की समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर कोई भी निर्णय लेने से पहले क्षेत्र के लोगों की राय जानना जरूरी है। क्षेत्र की समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। बैठक में प्रिंस जून ने सहयोगियों, समर्थकों से समर्थन मांगा। प्रिंस की दावेदारी पर चर्चा करते हुए समर्थकों उनका उत्साहवर्धन करते हुए साथ देने का भरोसा दिलाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस तरह के चुनाव राजनीति के साथ सामाजिक तौर पर भी मायने रखते हैं। समाज को उर्जावान युवाओं की जरूरत है ताकि नई सोच के साथ विकास की ओर बढ़ सकें।



बहादुरगढ़। बैठक में समर्थकों के साथ प्रिंस जून।

प्रशासन का रात्रि ठहराव कल

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

गांव निमाणा में मंगलवार 27 अक्टूबर को रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत डीसी वर्षा खांगवाल ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद करेंगी। यह जानकारी एसडीएम बादली विशाल कुमार ने दी। एसडीएम ने बताया कि गांव के मंदिर के साथ लगते हाल में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन होगा। डीसी वर्षा खांगवाल ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए उनका समाधान करेंगी और आमजन से जुड़े विभागीय अधिकारियों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। एसडीएम ने बताया कि सरकार की यह अनूठी पहल है, जिसके तहत प्रशासन गांव में जाकर ग्रामीणों की समस्या सुनेगा और सरकारी योजनाओं की जानकारी देगा। ऐसे कार्यक्रम जनता और प्रशासन की दूरी को कम करते हैं। यह पहल समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। आमजन के कार्यों से सीधा जुड़ाव रखने वाले और ग्रामीण विकास से जुड़े विभाग अपने अपने विभाग की कल्याणकारी नीतियों के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देंगे। रात्रि ठहराव में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

बहादुरगढ़। रेलवे स्टेशन के निकट ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 57 वर्षी चंद्रकिशोर के रूप में हुई है। भिवानी का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह वह भिवानी से ट्रेन में सवार होकर बहादुरगढ़ आ रहा था। जब ट्रेन बहादुरगढ़ में पहुंची तो वह हादसे का शिकार हो गया। संभवतः ट्रेन से उतरते वक्त पांव फिसला और चपेट में आ गया। सूचना पाकर जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। परिजनों के बयान के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है।

53 सौ रुपये प्रति क्विंटल खरीदा 1121 किस्म का धान

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

जिले की अनाज मंडियों में अब तक बाजरे की फसल के लिए 10955 किसानों के गेट पास काटे गए हैं, जिनसे 338973.60 क्विंटल बाजरे की आवक दर्ज की गई। बाजरे की प्राइवेट खरीद जारी है, जो 2100 से 2300 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से खरीदा जा रहा है।

इसके अलावा अब तक 338 किसानों से 20318.10 क्विंटल पीआर धान की आवक हुई है, जो अभी नहीं खरीदा गया है। स्थानीय अनाजमंडी में अब तक करीब 1 लाख 16 हजार क्विंटल बाजरे की फसल खरीदी चुकी है। इसमें से 72 हजार 506 क्विंटल बाजरे का उठान भी हो चुका है। धान की आवक भी यहां निरतंर जारी है।

रविवार को करीब 8 हजार क्विंटल धान की खरीद की गई। इस दौरान 1509 व 1692 किस्म का मशीन का धान 4000 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल तक तथा हाथ का निकला धान 4300 से 4450 रुपये प्रति क्विंटल तक खरीदा गया। इसके अलावा 1121 किस्म का धान 5300 रुपये प्रति क्विंटल तक खरीदा गया। इसके साथ ही 1718 किस्म का धान 4500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल तक खरीदा गया है।



झज्जर। अनाजमंडी परिसर में धान की बोली लगाते हुए आढ़ती।

हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन

बहादुरगढ़। सेक्टर-14 ओमैक्स सिटी के ए-ब्लॉक पार्क में हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन पार्षद भीम सिंह प्रणामी ने किया। कार्यक्रम में लालचंद प्रधान, जयपाल पहलवान, जगमाल कादियान, संजय पहलवान, ललित दरोगा, मेहरचंद और सतबीर राठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने पार्क में हाई मास्ट लाइट की सुविधा शुरू होने के अवसर पर खुशी जताई। पार्षद भीम सिंह ने कहा कि इस पहल से पार्क में रोशनी की व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।



बहादुरगढ़। ओमैक्स में लोगों के साथ भीम सिंह प्रणामी।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, घरेलू उत्पीड़न, वैवाहिक विवाद और अन्य प्रकार की शिकायतों को गंभीरता से लें

महिलाओं की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई कर दिलाएं न्याय : उषा प्रियदर्शी

महिलाओं को न्याय दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

रविवार को स्थानीय सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शी ने आयोग आपके द्वार कार्यक्रम के तहत महिलाओं से संबंधित शिकायतों की जन सुनवाई की। उन्होंने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए शिकायतों का नियमानुसार एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने महिलाओं से संबंधित शिकायतों पर संबंधित पक्षों की बात सुनते हुए मामलों की स्थिति और की गई कार्रवाई की जानकारी ली।



झज्जर। स्थानीय सिंचाई विभाग विश्राम गृह में जन सुनवाई करते हुए राज्य महिला आयोग चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शी।

लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

उषा प्रियदर्शी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्षता से जांच की जाए और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएं। महिलाओं को न्याय दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, घरेलू उत्पीड़न, वैवाहिक विवाद और अन्य प्रकार की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। संबंधित अधिकारी प्रत्येक मामले में तथ्यों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करें तथा पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए तत्परता से काम करें।



खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।
फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!
वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...
उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..
मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?
हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...

इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।

दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...
मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!
म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!
मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!
आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!
देस का मन बढ़ाणा सीखो,
पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,
देस-धरम हो सबतै पहलम,
बच्चां नै समझाणा सीखो।
बलिदान नै सीस नवावो,
नहीं भूलकै कम तोल्लो..!
आओ भाणो मिलकै सारी,
दयानंद की जै बोल्लो...!!

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।
बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।
ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।
क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!
क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

सुधीर ढांडा



बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

दलबीर 'फूल'



बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

सुभाष आर्य की स्मृति में मनाया पवित्रता दिवस, मेधावी छात्राओं का किया सम्मान

यज्ञ, भजन व प्रवचनों के माध्यम से दिया वैदिक मूल्यों और नशामुक्ति का संदेश

कार्यक्रम में विद्वानों ने सुभाष आर्य के जीवन और समाजसेवा के कार्यों को याद करते हुए उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर



झज्जर। यज्ञ में आहुति डालते हुए आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

शहर के भट्ठी गेट स्थित महर्षि दयानंद शिक्षण केंद्र में रविवार को आर्य जगत के प्रसिद्ध योग साधक नैष्ठिक ब्रह्मचारी महात्मा सुभाष आर्य की छठी स्मृति में पवित्रता दिवस मनाया गया। इस दौरान यज्ञ, भजन, प्रवचन और अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों ने सुभाष आर्य के जीवन और समाजसेवा के कार्यों को याद करते हुए उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचीन गुरुकुल महाविद्यालय के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल योगार्थी ने की। उन्होंने गुरुकुल के ब्रह्मचारियों के साथ शांतिपाठ के मंत्रों के बीच यज्ञ संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि महात्मा सुभाष आर्य सरल स्वभाव के विद्वान महात्मा थे। उन्होंने आर्य समाज के सिद्धांतों को आत्मसात कर जन-जन में जागृति अभियान चलाया। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके बताए आर्य विचारों को अपनाकर जीवन को पवित्र बनाया जाए। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि आर्य समाज का उद्देश्य लोगों को वैदिक मूल्यों से परिचित कराकर पाखंड और अंधविश्वास से बचाना है। उन्होंने युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि युवा परिवारों की अमूल्य संपत्ति हैं। उनका उचित मार्गदर्शन करके परिवार और समाज को सशक्त बनाया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि ब्रह्मचारी योगेंद्र योगाचार्य ने कहा कि महात्मा सुभाष आर्य की विशेषता थी कि वे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के प्रिय थे।

टॉपर छात्राओं को किया सम्मानित

समारोह में विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों की दसवीं कक्षा की छह स्कूल टॉपर छात्राओं को सम्मानित किया गया। डॉक्टर ललिता यादव को चिकित्सा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम अनुसंधानकर्ता पुरस्कार प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। आयोजकों द्वारा प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न, प्रोत्साहन राशि व वैदिक साहित्य प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर फ्लाइंग ऑफिसर महाबीर, ठेकेदार जयपाल यादव, वीरेंद्र नारा, पंडित जयभगवान आर्य, आचार्य शतक्रतु, पूर्व प्राचार्य होशियार सिंह, रमेश योगाचार्य, कृष्ण दत्त, ब्रह्मचारी अनंत, ब्रह्मचारी इंद्रजीत, दयानंद, जिले सिंह आर्य, दलपत यादव, रामकुमार, जसवंत यादव, डॉक्टर मंगत राम, चमनलाल, अशोक, कर्मवीर दलाल, सुरेंद्र, आचार्या अरविंद्र गार्गी, लाला प्रकाश वीर, सूर्य प्रकाश, सोनिया, सुरेश, सुलभा, सेवा देवी, अनिता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



बहादुरगढ़। नेकी की दीवार से वस्त्र प्राप्त करते जरूरतमंद लोग। फोटो : हरिभूमि

नेकी की दीवार से जरूरत मंदों को प्राप्त हुए वस्त्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

ब्रह्म सेवा समिति और जन जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शहर में नेकी की दीवार का आयोजन किया गया। देव नगर के सामने बेरी मोड़ पर हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग पहुंचे और अपनी आवश्यकता के अनुसार वस्त्र, जूते व अन्य जरूरी सामान प्राप्त किया।

आयोजन के दौरान जरूरतमंदों को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने के साथ ही समाज के लोगों को सेवा और दान के लिए प्रेरित किया गया। समिति की इस पहल के तहत लोग अपने उपयोग योग्य कपड़े, जूते और अन्य जरूरी सामान जरूरतमंदों के लिए दान कर सकते हैं।

रविवार को भी कुछ लोगों ने जरूरतमंद परिवारों की सहायता के उद्देश्य से वस्त्र दान किए। पार्षद बलराम दलाल, मीनाक्षी दलाल, सुनीता पाराशर, रवींद्र जून, मास्टर राधेश्याम, कंवरलाल, महेश गुप्त, दिनेश खोखर व राजकुमार आदि इस अवसर पर मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि नेकी की दीवार का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराना है। इससे जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक सामान प्राप्त करने में मदद मिलती है और समाज में आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है।

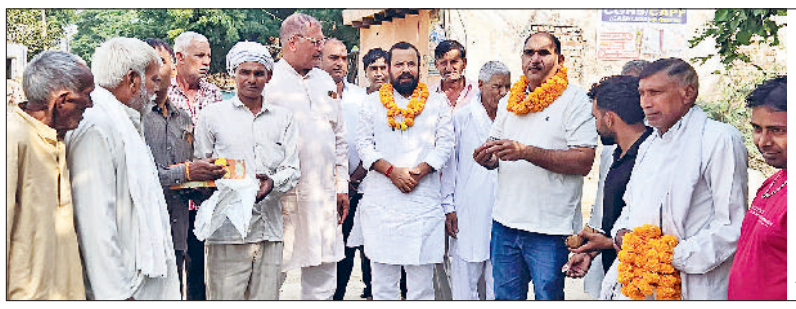

बहादुरगढ़। नाले निर्माण कार्य का शुभारंभ करते जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर व अन्य ग्रामीण।

मुकुंदपुर में नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव मुकुंदपुर में जल निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए जिला पार्षद एवं भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र छिल्लर ने रविवार को 19 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। ग्राम सरपंच सुमित छिकारा और ग्रामीणों की मौजूदगी में नारियल फोड़कर कार्य शुरू किया गया।

रविंद्र छिल्लर ने बताया कि जिला परिषद की ग्रांट से बनने वाले नाले से जलभराव की समस्या दूर करने और पानी की निकासी सुचारू बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नजर रखने और किसी भी तरह की लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों या सरकारी शिकायत पोर्टल पर शिकायत करने की अपील की।

इस दौरान ग्रामीणों ने रविंद्र छिल्लर का स्वागत किया। कार्यक्रम में सत्यव्रत, मनजीत, सदाराम, हरीश, राजकुमार, हरिप्रकाश, ओमप्रकाश, सचिन, सतपाल, राजेश, रवि, राजेंद्र, नीरज और आकाश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

शिविर में 55 लोगों ने किया रक्तदान

बहादुरगढ़। लाइनपार के कमल विहार स्थित भाटिया चौक पर रविवार को दूसरे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एडवोकेट जेबी भाटिया, चांद जून और डॉ. जीवन भाटिया के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में क्षेत्र के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में 55 यूनिट रक्त संचय हुआ। इस अवसर पर परनाला गांव के सरपंच प्रतिनिधि अशोक राठी भी मौजूद रहे। सरपंच प्रतिनिधि अशोक राठी ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ती है और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।



बहादुरगढ़। सरपंच प्रतिनिधि को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

दिव्यांग बच्चों के लिए भेंट किया स्मार्ट टीवी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सार्थक सेवा समिति ने सक्षम बहादुरगढ़ दिव्यांग सेवा समिति के केंद्र में दिव्यांग बच्चों के लिए एलजी का स्मार्ट टीवी भेंट किया। समिति अध्यक्ष नफे सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्हें केंद्र में टीवी की जरूरत के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद सदस्यों ने विचार-विमर्श कर यह सेवा करने का निर्णय लिया। धर्मपुरा स्थित दिव्यांग सेवा केंद्र में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत हवन-यज्ञ में आहुति देकर की गई।

इस दौरान दिव्यांग सेवा समिति की ओर से सार्थक सेवा समिति के सदस्यों का स्वागत किया गया। महासचिव वजीर सिंह दहिया ने समिति की गतिविधियों और उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सार्थक सेवा समिति की सदस्य व कवयित्री सुदेश संदूजा और अध्यक्ष नफे सिंह सार्थक ने अपनी स्वरचित रचनाएं प्रस्तुत कीं। इसके बाद समिति की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए स्मार्ट टीवी भेंट किया गया। नफे सिंह ने बताया कि डॉ. अजय जैन ने धर्मपुरा स्थित अपने पुराने आवास को दिव्यांग बच्चों की सेवा के लिए उपलब्ध करवाकर सराहनीय पहल की है।



बहादुरगढ़। समिति प्रतिनिधियों को स्मार्ट टीवी भेंट करते नफे सिंह व अन्य।



रेवाड़ी। कंपनी कर्मचारी की मौत के बाद जाम लगाते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ट्रक की चपेट में आकर कंपनी कर्मी की मौत गुस्साए लोगों ने एक घंटे तक जाम लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शनिवार की रात कुंड पुलिस चौकी के पास ट्रक की चपेट में आकर बाइक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस की मौजूदगी में चालक के फरार होने से गुस्साए लोगों ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने चालक को काबू करने के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला। रात को नारनौल से माजरा एम्स की ओर जा रहे एक ट्रक का चालक कुंड के पास रास्ता भटक गया। वह ट्रक को बैक करने लगा। इसी दौरान कंपनी से ड्यूटी करने के बाद बाइक से घर लौट रहा अहरोद निवासी 36 वर्षीय जितेंद्र ट्रक की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बड़ी संख्या में आसपास के लोग एकत्रित हो गई। लोगों के अनुसार ट्रक चालक ने शराब का सेवन किया हुआ था। पुलिस ने हादसे के बाद उसे तुरंत काबू करने की बजाय जाने दिया। इसके बाद लोगों ने रोड जाम कर दिया। थाना खोल प्रभारी गजराज सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंच गए। इसके बाद ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

थाना खोल पुलिस ने रात को ही शव मोर्चरी में रखवा दिया था। रविवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

पांच दिवसीय मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस कोर्स संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से शहर के पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित पांच दिवसीय मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस कोर्स रविवार को संपन्न हो गया। आर्ट ऑफ लिविंग और समग्र शिक्षा के बीच हुए एमओयू के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आर्ट ऑफ लिविंग के गवर्नमेंट प्रोग्राम कोर्डिनेटर राजवीर यादव ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत प्रदेश में करीब 11सौ क्लस्टर हेड कोर्स में भागीदारी कर चुके हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों एवं शैक्षणिक नेतृत्व से जुड़े अधिकारियों को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, ध्यान और भावनात्मक संतुलन के प्रति जागरूक करना है। कोर्स का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक डॉक्टर पुनीत अग्रवाल तथा मीनाक्षी शर्मा द्वारा किया गया। वॉलंटियर के रूप में डॉक्टर दीपिका सांगवान और डॉक्टर विधि अग्रवाल ने सहयोग दिया। कोर्स के माध्यम से प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, तनाव को कम करने तथा दैनिक जीवन में सकारात्मकता और संतुलन बनाए रखने से संबंधित तकनीकों की जानकारी दी गई।



झज्जर। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित शिक्षक एवं प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

तेल के काले खेल का भंडाफोड़ पेट्रोल और थिनर बरामद

- गज्जीवास से 800 लीटर पेट्रोल व 700 लीटर थिनर बरामद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने टैंकरों से तेल निकालकर उसे राजस्थान में महंगे दामों पर बेचने के मामले में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में पेट्रोल, थिनर और तेल निकालने के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके अन्य साथी फरार होने में कामयाब हो गए। पुलिस अन्य आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गज्जीवास में गुरुग्राम जिले के कादीपुर निवासी भिवाड़ी मोड़ पर रहने वाले व्यक्ति के प्लॉट में टैंकरों से तेल चोरी किया जाता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग फरार होने में कामयाब हो गए, लेकिन एक आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने 800 लीटर पेट्रोल और 700 लीटर थिनर बरामद किया। छापेमारी के दौरान एक पिकअप गाड़ी, आधा दर्जन से अधिक खाली ड्रम और टैंकरों से तेल निकालने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले हैं।



रेवाड़ी। पकड़े गए तेल के ड्रम गाड़ी में लोड करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पुलिस की कार्रवाई से लोगों में हड़कंप

करनावास में प्रमुख तेल कंपनियों के डिपो से रोजना सैकड़ों टैंकर तेल लेकर निकलते हैं। कई टैंकरों के चालक तेल का काला कारोबार करने वाले लोगों के साथ मिलकर टैंकरों से तेल की चोरी करते हैं। राजस्थान में दाम अधिक होने के बाद चोरी किया गया तेल वहां बेचा जाता है। बीते शनिवार को सीआईए ने खिजूरी के पास भी 22 सौ लीटर से अधिक पेट्रोल बरामद किया था। पुलिस की इस कार्रवाई से तेल चोरी करने वाले लोगों में हड़कंप मच गया है।

कोसली क्षेत्र के गांव से विवाहिता लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव में मायके में रह रही एक विवाहिता बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। लापता विवाहिता के पिता ने नाहड़ पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उनकी 25 वर्षीय लड़की की शादी समीप के गांव में हुई है, जिसे एक 5 साल का बेटा भी है। बेटी की तबीयत खराब होने के कारण वह गत 5-6 महीने से उनके पास रह रही थी। शुक्रवार को वह घर से बिना बताए कहीं चली गई। उन्होंने अपने स्तर पर रिश्तेदारियों में पूछताछ की, लेकिन उसका कोई पता नहीं मिल पाया। वह अपना मोबाइल भी साथ ले गई है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

28 तक नोटिस की सुनवाई पूरी करने के निर्देश



झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों अनुरूप चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को त्रुटि रहित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए जिला प्रशासन सक्रियता से कार्य कर रहा है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर के तहत जारी सभी नोटिस पर सुनवाई का कार्य 28 अक्टूबर तक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने से वंचित न रहे।

वकीलों ने दी प्रधान विक्रम को शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बार एसोसिएशन बहादुरगढ़ के प्रधान एडवोकेट विक्रम सिंह छिल्लर की जीत की खुशी में ओम गार्डन में भाईचारा पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह, एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड मिथलेश झा तथा प्रधान बिजेंद्र छिकारा सहित अनेक मौजिज लोगों ने शिरकत की।

विक्रम छिल्लर ने अतिथियों का फूलमालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

गायक सुरेंद्र आनंद तंवर और रागनी कलाकार बिजेंद्र उर्फ बिरजू ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विक्रम सिंह छिल्लर ने सभी का आभार जताया और वकीलों के हितों, विकास व मान-सम्मान के लिए हमेशा प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं व अन्य के साथ प्रधान विक्रम छिल्लर।

उदयभानु चिब बोले, कंपनी की तरह शासन चला रही है भाजपा

बहादुरगढ़ में भाजपा पर बरसे युवा कांग्रेस अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब बहादुरगढ़ पहुंचे। एचएल सिटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर चिब ने हरियाणा युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने पदाधिकारियों की सक्रियता की सराहना करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। चिब ने बताया कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस की रैली आयोजित की जाएगी।



बहादुरगढ़। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब के साथ कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

इस रैली में 10 लाख लोग एकत्रित होंगे, जिसमें हरियाणा से भी काफी युवा पहुंचेंगे। उन्होंने युवाओं से लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया। चिब ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनहित के मुद्दे उठाने वाले युवाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने इस पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया और कहा कि युवा कांग्रेस ऐसे दमन के आगे झुकने वाली नहीं है और जनता की आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एक कंपनी की तरह शासन कर रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस वेद प्रधान, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष सीटू बराही, शहरी ब्लॉक अध्यक्ष कमल अरोड़ा, नवनियुक्त जिला युवा प्रधान पंकज फौगाट, बहादुरगढ़ विधानसभा युवा अध्यक्ष धर्मेंद्र राणा, आसौदा ब्लॉक अध्यक्ष रोहित खत्री, मांडोठी ब्लॉक अध्यक्ष सन्नी सैनी, वरुण राठी, राजेश कलसन सहित अन्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

महिला पुरस्कारों के लिए आवेदन पांच नवंबर तक

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट, सराहनीय एवं उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए महिला पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र एवं इच्छुक महिलाएं आगामी पांच नवंबर तक विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने, उनके योगदान को सम्मान देने तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के तहत महिलाओं को नकद राशि के साथ प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

खेत में बने कमरे से सामान चोरी

बहादुरगढ़। गांव निलोठी स्थित खेत में बने एक कमरे में रखे सामान को चोरों ने निशाना बना लिया। काफी सामान चुरा ले गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव निलोठी के निवासी हरदीप का कहना है कि खुरमपुर मोड़ पर उनके खेत है। खेत में बने कमरे में कुछ सामान रखा था। हाल ही में किसी ने उसमें चोरी कर ली। जब खेत में गए तो वारदात का पता चला। जांच करने पर पाइप, गार्डर, इंजन की वाल्वस, पंखे, बिजली की तार, सहित अन्य सामान नहीं मिला। उधर, आसौदा थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समाजसेवी राजेन्द्र का 66वां जन्मदिन मनाया

बहादुरगढ़। डीएस आर्य शिक्षा समिति के चेयरमैन व समाजसेवी राजेन्द्र राठी का 66वां जन्मदिन उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें काफी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भजन गायक भगत खेमचंद ने माता रानी के भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने राठी को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। राजेंद्र राठी ने समाजसेवा और शैक्षणिक विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम सुना

बहादुरगढ़। यशपाल हिंदुस्तानी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का एपिसोड सुना। कार्यक्रम में स्वदेशी उत्पादों, प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे विषयों पर चर्चा की गई। यशपाल हिंदुस्तानी ने कहा कि कार्यक्रम नागरिकों को समाजसेवा, स्वदेशी अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देता है।

स्कूल स्टेट खेल प्रतियोगिता में झज्जर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था

खिलाड़ी सावन का हरियाणा की अंडर-17 टीम में चयन

प्रतियोगिता में 8 गोल दागने पर बेस्ट स्ट्राइकर का मिला था अवॉर्ड





बहादुरगढ़। कोच व प्रिंसिपल के साथ खिलाड़ी सावन तथा झज्जर में समारोह में शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच उपस्थित निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

महाराजा सूरजमल स्कूल के छात्र सावन का हरियाणा की अंडर-17 बॉयज टीम में चयन हुआ है। उसके चयन पर परिजनों, शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है। दरअसल, 21 से 23 सितंबर तक हरियाणा के हिसार के जाट कॉलेज में आयोजित स्कूल स्टेट खेल प्रतियोगिता में झज्जर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम के 4 खिलाड़ियों का चयन हरियाणा की टीम के लिए हुआ है, जिनमें सावन भी शामिल है। उस प्रतियोगिता में सावन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 गोल दागे थे। इसके लिए उसे बेस्ट स्ट्राइकर का अवार्ड भी मिला था। झज्जर टीम के इंचार्ज प्रदीप दलाल ने बताया कि सावन हरियाणा की टीम के लिए अहम योगदान देगा। सावन के चयन पर स्कूल प्रबंधन, साथी खिलाड़ियों और परिजनों में खुशी का माहौल है। स्कूल के चेयरमैन प्रो. श्याम सिंह, मैनेजर राजबीर छिकारा, कोषाध्यक्ष देवराज ओहल्याण और प्रिंसिपल डॉ. प्रियांक शर्मा ने उसे बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि सावन हरियाणा की टीम की ओर से खेलते हुए भी शानदार प्रदर्शन करेगा।

छात्रों को मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ लक्ष्य प्रप्ति के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- आरईडी स्कूल में खेलकूद स्पर्धा एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह

आरईडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छुछकवास में रविवार को खेलकूद प्रतियोगिता एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। नवसंकल्प थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में संस्था निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि डिप्टी डायरेक्टर शैलेंद्र अहलावत, प्राचार्य सुनील कादियान और शाखा प्रमुख भारती इंदौरा ने विशेष रूप से कार्यक्रम में शिरकत की। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना व गणेश वंदना से शुरू हुए इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट के माध्यम से मुख्यातिथि को सलामी दी। इस दौरान शैक्षणिक परीक्षाओं और खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं और अन्य गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को करीब 15 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा को दिखाया।

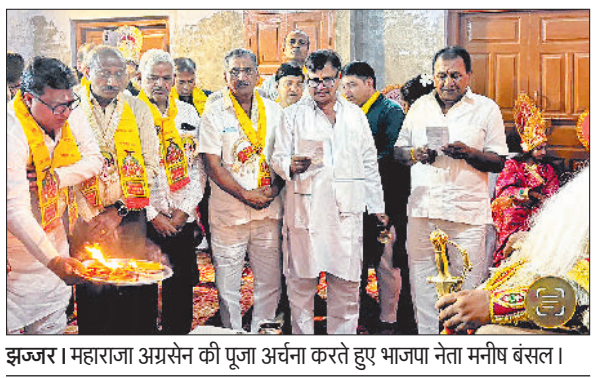

झज्जर। महाराजा अग्रसेन की पूजा अर्चना करते हुए भाजपा नेता मनीष बंसल।

महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक : मनीष

जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को कस्बा बेरी के अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता एवं महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय के पूर्व वाइस चेयरमैन मनीष बंसल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। समाज के पदाधिकारियों, मातृशक्ति एवं युवाओं ने मुख्यातिथि का ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और पटका पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान अपने संबोधन में मनीष बंसल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन समाजवाद, समानता और आपसी सहयोग के सबसे बड़े प्रवर्तकों में से एक थे। उन्होंने समाज को मानवता, भाईचारे और परस्पर सहयोग का संदेश दिया। महाराजा अग्रसेन की विचारधारा का मूल मंत्र था कि समाज में आने वाले प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने अपने राज्य में आने वाले प्रत्येक नए परिवार को एक रुपया और एक ईंट देने की परंपरा से समाज में सहयोग और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित किया। एक ईंट से आशियाना बनाने में सहयोग मिलता था, जबकि एक रुपये से व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलती थी। यह परंपरा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर देने और सामूहिक प्रयासों से समृद्ध समाज के निर्माण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमें जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर एडवोकेट नवीन गुप्ता, प्राचीन गौशाला झज्जर के अध्यक्ष प्रमोद बंसल, राजेश मित्तल, विजय छपारिया, विक्की बेरीवाल, प्रदीप ऐरन, दिनेश अग्रवाल, एडवोकेट राजेश बंसल, नितिन बंसल, संजय सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

- भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान

लख्मीचंद धर्मशाला में हरियाणवी सांग 11 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लाइनपार स्थित सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद धर्मशाला समिति की आम बैठक धर्मशाला परिसर में हुई। बैठक में 11 से 15 नवंबर तक पांच दिवसीय हरियाणवी सांग आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पंडित लख्मीचंद के पौत्र और प्रसिद्ध सांगी पंडित विष्णुदत्त सांग के माध्यम से दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी लोकगाथाएं सुनाएंगे। पांच दिनों के आयोजन में सत्यवान-सावित्री, पूर्णमल, पद्मावत, सेठ ताराचंद और राजा नल के किस्से प्रस्तुत किए जाएंगे। बैठक में सांग आयोजन की तैयारियों को लेकर सदस्यों से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही धर्मशाला के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में संरक्षक पालेराम शर्मा, प्रधान शीलकराम पाराशर, महासचिव हरीश शर्मा, सचिव सुमित अत्री, कोषाध्यक्ष मुकेश शर्मा, पूर्व प्रधान प्रवीण शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।



बहादुरगढ़। सांग की तैयारियों पर मंथन करते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पिंकथॉन-डे पर वर्षा ने पाया पहला स्थान





बहादुरगढ़। दौड़ लगाने की तैयारी में धावक तथा चित्रकला में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

- कार्यक्रम में 140 लोगों ने पंजीकरण करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

महिलाओं के स्वास्थ्य, फिटनेस और सशक्तीकरण के उद्देश्य से रविवार को सेक्टर-9 स्थित जिमखाना क्लब में चौथा पिंकथॉन डे आयोजित किया गया। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के सहयोग से हुए कार्यक्रम में 140 लोगों ने पंजीकरण कराया। तीन किलोमीटर की दौड़ में वर्षा रानी ने पहला, बिमलेश ने दूसरा और वर्षा पहलवान ने तीसरा स्थान हासिल किया। पिंकथॉन एम्बेसडर डॉ. किरण छिल्लर और दीपक छिल्लर के नेतृत्व में सुबह छह बजे शुरू हुए कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने दौड़ के साथ जुम्बा गतिविधि में भी हिस्सा लिया।

आयोजन के माध्यम से महिलाओं को नियमित व्यायाम अपनाने और अपने स्वास्थ्य के लिए समय निकालने का संदेश दिया गया। आयोजकों के अनुसार, पिंकथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमन की पहल के तहत भारत, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स के 65 शहरों में 168 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष 'म्यूचुअल फंड्स सही है' प्रमुख भागीदार रहा। कैंसर जागरूकता और रोकथाम विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में हितेश राठी और सिद्धार्थ शर्मा संयुक्त रूप से प्रथम रहे। निष्ठा राठी ने दूसरा और आर्ची ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ध्रुवित, कियारा मलिक, अनायशा और जयदीप राठी ने भी चित्रों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में पूनम, नरेंद्र लठवाल, शरणम सिंह, नीलम राठी, ब्रह्म प्रकाश, अनीता लठवाल, संतोष बंसल और सुमन को प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में सम्मानित किया गया। डॉ. किरण छिल्लर और दीपक छिल्लर ने महिलाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए परिवारों से उनकी फिटनेस यात्रा में सहयोग देने की अपील की।

वीर बंदा बैरागी की गौरव गाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज का दायित्व : उषा



झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। वीर बंदा बैरागी का जीवन और उनका संघर्ष पूरे समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है। उनके योगदान और गौरव गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। समाज की जिम्मेदारी केवल सरकारी व्यवस्थाओं पर निर्भर रहना नहीं, बल्कि अपने बच्चों को देश के इतिहास, महापुरुषों के बलिदान और भारतीय संस्कारों से परिचित करवाना भी है। यह बात हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शी ने वीर बंदा बैरागी जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बैरागी समाज की एकजुटता और संगठनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए समाज के प्रतिनिधियों से सामाजिक सरोकारों को मजबूत बनाने तथा आने वाली पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का आह्वान किया।



झज्जर। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक गीता भुक्कल। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता : गीता भुक्कल

झज्जर। रविवार को क्षेत्र के गांव मातनहेल में विधायक एवं पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल द्वारा गांव के कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन किया गया। इसके उपरांत उन्होंने कम्युनिटी सेंटर में आयोजित मातनहेल व साल्हावास ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष से ही संगठन को मजबूती मिलती है। उन्होंने आगामी एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में प्रस्तावित वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष संजय यादव, सरपंच विजय लता, एडवोकेट राव उदयभान, सुभाष गुर्जर, वीरेंद्र कौशिक, रमेश जाखड़, नीटू भदानी सहित अन्य भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रेवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के विजेताओं को नौ लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की

मोहित और प्रीति 21.1 जबकि आवकाश और पूजा 10 किलोमीटर दौड़ में अव्वल

रिलायंस मेट सिटी की पहली विश्व हॉफ मैराथन में 25 सौ धावकों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रिलायंस मेट सिटी में रविवार को पहली अंतरराष्ट्रीय हॉफ मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन में देश-विदेश के करीब 25सौ धावकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 21.1 किलोमीटर हॉफ मैराथन, 10 किलोमीटर टाइम्ड रन और 5 किलोमीटर फन वॉक की श्रेणियां रखी गईं। प्रतियोगिता के विजेताओं को करीब नौ लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन्स एंड डिस्टेंस रेस से प्रमाणित रूट पर धावकों को दौड़ने के लिए अनुकूल वातावरण मुहैया कराया गया। रिलायंस मेट सिटी के पूर्णकालिक निदेशक श्रीवल्लभ गोयल ने कहा कि पहली अंतरराष्ट्रीय हॉफ मैराथन का सफल आयोजन कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इतने बड़े स्तर पर आयोजन मेट सिटी की उस क्षमता को दर्शाता है, जिसके माध्यम से खेल, सामुदायिक भागीदारी और विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है। रिलायंस मेट सिटी के सीईओ मनीष जायसवाल ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य केवल औद्योगिक और व्यावसायिक सुविधाओं का विकास करना नहीं है, बल्कि ऐसा शहर तैयार करना है, जहां आर्थिक विकास के साथ लोगों के जीवन की गुणवत्ता और सामुदायिक विकास को भी महत्व दिया जाए। उन्होंने कहा कि मैराथन के माध्यम से लोगों को फिटनेस और सामूहिक भागीदारी से जुड़ने का अवसर मिला है।



झज्जर। अंतरराष्ट्रीय हॉफ मैराथन में दौड़ते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

मोहित और प्रीति ने जीती हॉफ मैराथन

21.1 किलोमीटर की हॉफ मैराथन के पुरुष वर्ग में मोहित ने एक घंटा तीन मिनट 30 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में प्रीति ने एक घंटा 19 मिनट 16 सेकंड में दौड़ पूरी कर खिताब अपने नाम किया। दोनों विजेताओं को एक-एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार 10 किलोमीटर टाइम्ड रन के पुरुष वर्ग में आवकाश ने 29 मिनट 6 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया और 80 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। महिला वर्ग में पूजा ने 34 मिनट 22 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें भी 80 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

विशेष लोक अदालत का आयोजन 21 नवंबर को

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि आगामी 21 नवंबर को विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर झज्जर व उपमंडलीय न्यायालय बहादुरगढ़ में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत में मुख्य रूप से लिखित अधिनियम 1881 की धारा 138 के अंतर्गत लंबित चेक बाउंस मामलों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य पक्षकारों को शीघ्र सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध करवाना है।

उन्होंने संबंधित पक्षकारों, अधिवक्ताओं तथा बैंक प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं और आपसी सहमति से अपने मामलों का निपटारा करवा कर समय एवं धन की बचत करें।